SET-2

Series SGN

कोड नं.
Code No. 2/2

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है
करुणा, क्षमा हैं वीर जाति के कलंक घोर
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का शृंगार है ।

प्रतिशोध से हैं होती शौर्य की शिखाएँ दीप्त
प्रतिशोध-हीनता नरों में महापाप है,
छोड़ प्रीति-वैर पीते मूक अपमान वे ही
जिनमें न शेष शूरता का वह्नि-ताप है
जेता के विभूषण सहिष्णुता-क्षमा हैं किंतु
हारी हुई जाति की सहिष्णुता अभिशाप है ।

सेना साजहीन है परस्व हरने की वृत्ति
लोभ की लड़ाई क्षात्र धर्म के विरुद्ध है
चोट खा परंतु जब सिंह उठता है जाग
उठता कराल प्रतिशोध हो प्रबुद्ध है
पुण्य खिलता है चंद्रहास की विभा में तब
पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।

(क) क्षमा कब कलंक और कब शृंगार हो जाती है ?

(ख) प्रतिशोध किसे कहते हैं ? वह कब आवश्यक होता है ?

(ग) सहिष्णुता को विभूषण और अभिशाप दोनों क्यों माना गया ?

(घ) कैसा युद्ध धर्म के विरुद्ध माना गया है ?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए – 'पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है ।'

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *15*

हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है, तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते हैं । उनकी बेचैनी समझ में नहीं आती । संविधान में स्पष्ट प्रावधानों के बाद भी यह अविश्वास का माहौल बनता क्यों है ? यहाँ हम केवल एक ही प्रावधान को याद करें । संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा गया है : 'संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे, जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्त्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात् करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यत: संस्कृत से और गौणत: अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे ।'

यही सब देखकर हिन्दी के विषय में अक्सर यह लगने लगता है जैसे संविधान के संकल्पों का निष्कर्ष कहीं खो गया है और हम निर्माताओं के आशय से कहीं दूर भटक गए हैं । सहज ही मन में ये प्रश्न उठते हैं कि हमने संविधान के सपने को साकार करने के लिए क्या किया ? क्यों नहीं हमारे कार्यक्रम प्रभावी हुए ? क्यों और कैसे अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता हम पर और हमारी युवा एवं किशोर पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि इसी मिट्टी से जन्मी हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में प्रतीत होता है । शिक्षा में, व्यापार और व्यवहार में, संसदीय, शासकीय एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं को वर्चस्व क्यों नहीं मिल पा रहा ?

(क) भाषा व्यवसायी से क्या अभिप्राय है ? उनकी पोल कब खुलने लगती है ? *2*

(ख) संविधान में 'संघ' से आप क्या समझते हैं ? हिन्दी भाषा को लेकर संघ का क्या कर्तव्य बताया गया है ? *2*

(ग) हिन्दी भाषा के विकास की आवश्यकता क्यों है ? *2*

(घ) भारत की अन्य भाषाओं से लेखक का क्या तात्पर्य है ? यहाँ उनका उल्लेख क्यों हुआ है ? *2*

(ङ) 'अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता' से क्या तात्पर्य है ? उसका क्या परिणाम हो रहा है ? *2*

(च) यह कैसे कह सकते हैं कि हमारी अपनी भाषा का भविष्य संकट में है ? *2*

(छ) हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं के वर्चस्व से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे संभव हो सकता है ? *2*

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

खण्ड ख

3. दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक को नवीन साहित्यिक रचनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह करते हुए लगभग 150 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

4. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) कम्प्यूटर : मेरे जीवन में

(ख) भारत की सामाजिक समस्याएँ

(ग) स्वाभिमान चाहिए, अभिमान नहीं

(घ) विकास के लिए शिक्षा आवश्यक

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 – 30 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

(क) विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में समझाइए ।

(ख) 'बीट' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) रेडियो की लोकप्रियता के क्या कारण हैं ?

(घ) 'पेज थ्री पत्रकारिता' का आशय समझाइए ।

(ङ) अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?

6. 'महानगरों में आवास की समस्या' विषय पर लगभग 150 शब्दों में फ़ीचर लिखिए । *5*

7. 'गाँव से मज़दूरों का पलायन' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए । *5*

अथवा

हाल ही में पढ़ी यात्रा-वृत्तांतों की किसी पुस्तक की संतुलित समीक्षा लगभग 150 शब्दों में लिखिए ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है ।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

(क) किसके बच्चों की बात की गई है, वे नीड़ों से क्यों झाँक रहे हैं ?

(ख) चिड़ियों की उड़ान में गति आने और कवि के शिथिल क़दमों के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) कवि अपने आप से क्या प्रश्न करता है ? क्यों ?

(घ) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' – कथन की आवृत्ति क्या संकेत करती है ?

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना
काग़ज़ का एक पन्ना
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

(क) छोटे खेत और काग़ज़ का रूपक समझाइए ।

(ख) रचना के संदर्भ में 'अंधड़' और 'बीज' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) कल्पना को रसायन क्यों कहा गया है ?

(घ) 'पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष' – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3+3=6*

(क) कवितावली से आपकी पाठ्य-पुस्तक में उद्धृत छंदों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ है ।

(ख) 'कविता के बहाने' कविता में कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को 'बादल राग' कविता रेखांकित करती है ?

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी ।

(क) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) प्रयुक्त आलंकारिक सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो और मन ख़ाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है । जेब ख़ाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है ।

(क) 'बाज़ार में एक जादू है' कथन का क्या आशय है ? यह जादू कैसे काम करता है ?

(ख) इस जादू की मर्यादा क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मन ख़ाली होने का क्या अर्थ है ? इसका परिणाम क्या होता है ?

(घ) मन पर जादू का असर कब और कैसे दिखाई देता है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *3×4=12*

(क) आपके विचार से चार्ली चैप्लिन की सर्व-स्वीकार्यता के क्या कारण हो सकते हैं ?

(ख) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(ग) शिरीष और महात्मा गाँधी की तुलना किस आधार पर की गई है ?

(घ) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए ।

(ङ) पहलवान की ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ? कैसे ?

13. भूषण के द्वारा ऊनी ड्रेसिंग गाउन देने पर यशोधर पंत के मन में उत्साह का अभाव किन जीवन मूल्यों की उपेक्षा के कारण दिखाई देता है ? बुज़ुर्ग पीढ़ी हमसे क्या अपेक्षा करती है ? (लगभग 150 शब्दों में लिखिए) *5*

14. (क) "सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था ।" सोदाहरण पुष्टि कीजिए । (लगभग 150 शब्दों में) *5*

(ख) आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में 'जूझ' के लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का ? लगभग 150 शब्दों में तर्क सहित उत्तर दीजिए । *5*